Exam. Code : 216302
Subject Code : 5349

M.A. (Hindi) 2nd Semester (Batch 2021-23)
NATAKKAR MOHAN RAKESH
Paper—X, Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— प्रत्येक भाग में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्न करें। पांचवा प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :—

(क) जिससे उसके मन को कड़ी से कड़ी चोट पहुँचा सकूँ। उसे मेरे लम्बे बाल अच्छे लगते हैं। इसलिए सोचती हूँ, इन्हें जाकर कटा आऊँ। वह मेरे नौकरी करने के हक में नहीं है। इसलिए चाहती हूँ कहीं भी, कोई भी छोटी-मोटी नौकरी ढूँढकर कर लूँ। कुछ भी ऐसी बात जिससे एक बार तो वह अन्दर से तिलमिला उठे। पर कर मैं कुछ भी नहीं पाती और जब नहीं कर पाती, तो खीजकर"।



Scanned with CamScanner

(ख) उन्होंने बोध प्राप्त किया है, कामनाओं को जीता है। परन्तु मैं जानना चाहती हूँ कि कामनाओं को जीता जाये, यह भी क्या मन की एक कामना नहीं ? और ऐसी कामना किसी के मन में क्यों जागती है ?

(ग) मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है ? तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह सम्बन्ध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है—!

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :—

(क) मैं इस घर में एक रबड़-स्टैंप भी नहीं, सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ। बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकता है, एक भी ऐसी वजह, कि क्यों मुझे रहना चाहिए इस घर में ?

(ख) कामोत्सव कामना का उत्सव है, आर्य मैत्रेय! मैं अपनी आज की कामना कल के लिए टाल रखूँ... क्यों ? मेरी कामना मेरे अन्तर की है। मेरे अन्तर में ही उसकी पूर्ति भी हो सकती है। बाहर का आयोजन उसके लिए उतना महत्त्व नहीं रखता जितना कुछ लोग समझ रहे हैं।

(ग) राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक-एक क्षण का महत्त्व है। कभी एक क्षण के लिए भी चूक जायें, तो बहुत बड़ा अनिष्ठ हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक



Scanned with CamScanner

रहना पड़ता है। साहित्य उसके जीवन का पहला चरण था। अब वे दूसरे चरण में पहुँच चुके हैं। मेरा अधिक समय इसी आयास में बीतता है कि उनका बढ़ा हुआ चरण पीछे न हट जाए। बहुत परिश्रम पड़ता है इसमें।

भाग—ख

3. 'आषाढ़ का एक दिन' के नाट्यात्मक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये।

4. आषाढ़ का एक दिन' की रंगमंचीय सार्थकता को उद्घाटित कीजिये।

भाग—ग

5. 'लहरों के राजहंस' के प्रतिपाद्य पर विचार व्यक्त करते हुए मुख्य समस्याओं को उद्घाटित कीजिये।

6. मोहन राकेश की नाट्य-सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग पर अपने विचार अभिव्यक्त कीजिये।

भाग—घ

7. 'आधे-अधूरे' नाम की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।

8. नाट्यभाषा के क्षेत्र में मोहन राकेश के योगदान पर प्रकाश डालिये।



Scanned with CamScanner